� परमेश्वर की महिमा – एकता में प्रकट होती है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

मसीही जीवन में एकता (संगति) ऐसी बात है जिसे बहुत लोग नज़रअंदाज़ करते हैं, परन्तु वही एक बात है जो परमेश्वर की महिमा को प्रत्यक्ष रूप से धारण करती है।
परमेश्वर की महिमा का अर्थ है – “परमेश्वर का महिमान्वित होना।”
अर्थात्, परमेश्वर की महिमा एकता में प्रकट होती है।

शायद तुम पूछो, यह कैसे होता है?
आओ, हम वचन को देखें।

यूहन्ना 17:22–23

“और जो महिमा तूने मुझे दी है, वह मैंने उन्हें दी है, ताकि
वे एक हों जैसे हम एक हैं —
मैं उनमें और तू मुझ में; ताकि वे एक हो जाएँ, और जगत यह जान ले कि तूने मुझे भेजा है, और जैसा तूने मुझसे प्रेम रखा, वैसा ही उनसे भी प्रेम रखा है।”

मसीह ने हमें जो महिमा दी है, उसका पहला उद्देश्य यही था कि हम

� परमेश्वर की महिमा – एकता में प्रकट होती है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

एक हों।
यह चमत्कारों या अद्भुत कार्यों के लिए नहीं था।
इसका अर्थ यह है कि परमेश्वर की महिमा चमत्कारों से नहीं, बल्कि एकता से अधिक प्रकट होती है।
क्योंकि एकता ही वह शक्ति है जो लोगों को सच्चे मन से परमेश्वर में विश्वास करने के लिए आकर्षित करती है — किसी भी आश्चर्य या चमत्कार से बढ़कर।

जब लोग हममें परमेश्वर की एकता देखते हैं, तो वे उस से कहीं अधिक प्रभावित होते हैं, जितना कि केवल चमत्कार देखकर होते हैं। इसी कारण हम प्रभु यीशु पर विश्वास करते हैं — क्योंकि वह पिता के साथ एक थे।

यदि प्रभु यीशु पिता के साथ एक न होते, तो केवल चमत्कारों के द्वारा उन पर विश्वास करना कठिन होता।
परन्तु पिता और पुत्र की आत्मिक एकता ने हमारे भीतर अद्भुत प्रेम और गहरा विश्वास उत्पन्न किया है — कि यीशु मसीह सत्य हैं और उनमें कोई कपट नहीं है।

इसी प्रकार, जब हम परमेश्वर के साथ और एक-दूसरे के साथ एकता में चलते हैं, तब हमारा गवाही देना और भी सामर्थी बनता है — बजाय इसके कि हम अलग-अलग या मतभेदों में रहें।

� परमेश्वर की महिमा – एकता में प्रकट होती है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

यूहन्ना 17:21–23

“कि वे सब एक हों; जैसे तू, पिता, मुझ में है, और मैं तुझ में
हूँ; वैसे ही वे भी हम में एक हों, ताकि संसार विश्वास करे कि तूने मुझे भेजा है।
और जो महिमा तूने मुझे दी है, वह मैंने उन्हें दी है, ताकि वे
एक हों जैसे हम एक हैं।
मैं उनमें और तू मुझ में; ताकि वे पूर्ण रूप से एक हों, ताकि संसार जान ले कि तूने मुझे भेजा है और जैसा तूने मुझसे प्रेम रखा वैसा ही उनसे भी प्रेम रखा है।”

यहाँ पद 21 में कहा गया है —

“कि वे सब एक हों… ताकि संसार विश्वास करे कि तूने मुझे
भेजा है।”

इसका अर्थ यह है कि — हमारी एकता ही वह कारण है जिससे संसार मानेगा कि मसीह ही प्रभु हैं!
न हमारे बहुत से उपदेश, न हमारे बहुत से चमत्कार — केवल एकता!

� परमेश्वर की महिमा – एकता में प्रकट होती है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

यदि हम इस वचन को न मानें और विभाजन के अपने मार्गों पर चलें, तो हम स्वयं ही परमेश्वर की महिमा से वंचित हो जाएँगे।
क्योंकि मसीह ने कभी अपने आप को पिता से अलग नहीं किया, न ही अपने शिष्यों से।

जब तुम बार-बार अकेले प्रार्थना करना चुनते हो, जबकि
तुम्हारे पास किसी और के साथ प्रार्थना करने का अवसर है, तो
यह विभाजन की आत्मा है जो परमेश्वर की महिमा को घटाती है। (हमारे प्रभु यीशु मसीह अक्सर अपने चेलों के साथ पहाड़ पर प्रार्थना करने जाते थे; यहाँ तक कि एकांत में भी वे संगति में रहते थे — मत्ती 17:1; मरकुस 14:33–34 देखें।)

जब तुम हमेशा अकेले प्रचार करने जाना चुनते हो, जबकि तुम किसी और के साथ जा सकते हो, तो यह भी विभाजन की आत्मा है जो परमेश्वर की महिमा को घटाती है। (प्रभु यीशु ने अपने चेलों को दो-दो करके नगरों और गाँवों में भेजा था — लूका 10:1; प्रेषितों के काम 13:2।)

जब तुम अपने भाई से बातचीत नहीं करना चाहते, उसे सांत्वना

परमेश्वर की महिमा – एकता में प्रकट होती है

> नहीं देते या उसके निकट नहीं रहते, जबकि वह तुम्हारे समान
> विश्वास का है — वही प्रभु, वही आत्मा, वही बपतिस्मा — तो
> यह भी विभाजन की आत्मा है जो हमारे ऊपर से परमेश्वर की महिमा
> को नष्ट करती है।

इसलिए हमें वचन के अनुसार आत्मा की एकता को बनाए रखना आवश्यक है, ताकि हम परमेश्वर की महिमा से वंचित न हों।

इफिसियों 4:3–6

> “शांति के बन्धन में आत्मा की एकता बनाए रखने का प्रयत्न
> करो।
> एक शरीर और एक आत्मा है, जैसे तुम्हें तुम्हारी बुलाहट की एक
> ही आशा के लिये बुलाया गया।
> एक प्रभु, एक विश्वास, एक बपतिस्मा,
> और सब का एक ही परमेश्वर और पिता है, जो सब के ऊपर, सब के
> माध्यम से और सब में है।”

प्रभु हमारी सहायता करें और हमें सामर्थ दें।

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

� परमेश्वर की मिहमा – एकता में प्रकट होती है

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp